



भारत का राजापत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1
PART I—Section 1

PUBLISHED BY AUTHORITY
प्राधिकार से प्रकाशित

सं. 104]

नई बिल्ली, संगलबार, मई 8, 1990/वैसाख 18, 1912

No. 104]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 8, 1990//VAISAKHA 18, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वार्षिक भंत्रालय
नियांत्रित व्यापार नियंत्रण
सार्वजनिक सूचना सं. 27-ई. टी. सी. (पीएन)/90
नई दिल्ली, 8 मई, 1990

विषय:— सेप्लावर के बीज (करदी बीज) का नियांत्रण।

फा. सं. 38/10/90-ई-II:— 1. संदर्भ:— व्यापार-नियांत्रित नीति, 1990-93 (पार्ट-2) के भाग “ख” की सूची-2 की अम सं. 22-

2. उदाय:— उक्त पुस्तक के भाग-1 के वैराग्य 31-33 में निहित प्रक्रिया के घननुसार करदी बीज का नियांत्रित सीलिंग की भीतर अनुमेय है। इस अधिसूचना का उद्देश्य उक्त भीति पुस्तक के भाग-1 के वैराग्य 13(3) की घातनिसार आलू वर्ष के लिए रिलीज की जाने वारी सीमित सीलिंग के घननुसार सेप्लावर के बीज (करदी बीज) के नियांत्रण हेतु निम्नोक्त विशेष प्रक्रिया निर्धारित करना है।

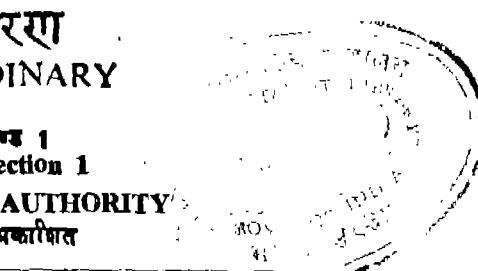
3. (क) विशेष प्रक्रिया:— सेप्लावर के बीज (करदी बीज) के नियांत्रण हेतु सीलिंग को भारतीय तरीका उत्पाद नियांत्रित संघ, अमर्याई (आई. औ. पी. ई. ए.) द्वारा निपटान पर छोड़ा जाता है।

संविदाद्वारा के पंजीकरण हेतु अधिकारण

3.(क) (1) नियांत्रित व्यापारी संविदाएं जोकि 100% प्रपरिवर्तनीय साख-व्यवसाय व्यापार मनुसमर्थित हों, आई. औ. पी. ई. ए के पास पंजीकृत करा सकते हैं।

1242GI/90

(1)



(2) आई. औ. पी. ई. ए. कुल उपलब्ध नीतियों के 10% से प्रधिक वा किसी भी सीरिजिक नियांत्रित को आवंटन नहीं करेगी।

(3) आई. औ. पी. ई. ए. सीरिज का आवंटन इष्ट सार्वजनिक सूचना के जारी होने की सारीख से 15 विन के उपरांत कर दफ्तर है।

(4) उक्त शर्तों के पूर्ण करने पर आई. औ. पी. ई. ए. नियांत्रित का नाम, नियांत्रित व्यापारी संविदा को संक्षया और तारीख और प्रपरिवर्तनीय साख वर्त, अनुमेय मात्रा, जहाज पर्यान्त नियांत्रित मूल्य और गत्वाच्य स्थान जैसा पूर्ण अंदूरा देते हुए “पहले आए तो पहले पाए” के आवार पर नियांत्रित को सीरिज दिल्प जारी करेगा।

3.(ग) लाइसेंस जारी करना: आई. औ. पी. ई. ए. सीरिज को सूचना संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को भेजेगा, जो आई. औ. पी. ई. ए. से सूचना की प्राप्ति हो जाने पर 48 घंटे के भीतर नियांत्रित लाइसेंस जारी करने की तारीख से या लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च से हस्तांते जो भी पहले हो, 6 मास की वैधता सहित नियांत्रित लाइसेंस जारी करेगा।

3.(घ) पंजीकरण की अंतिम तिथि: लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च के बाद न तो किसी संविदा का पंजीकरण किया जाएगा न ही 31 मार्च, 1991 के बाद आई. औ. पी. ई. ए. किसी नियांत्रित की अनुमति देगा जो ही सीलिंग की मात्रा अप्रयुक्त भी रह गई हो।

4. दण्डों संबंधी कार्याई- नियांत्रित का यह प्रयास होना चाहिए कि उसे आवंटित सीलिंग की मात्रा का पूर्ण रूप से नियांत्रित करे। लेकिन, यदि कोई नियांत्रित इसे आवंटित पूर्ण मात्रा का नियांत्रित करने में असमर्थ रहता है

तो लाइसेंसिंग प्राधिकारी उसे उसी पाण्य अनुसु के निए आगे नियंत्रित लाइसेंस प्राप्त करो से बंचित करने के लिए दण्ड संबंधी कार्रवाई करेगा। ऐसी कार्रवाई करने से पूर्ण लाइसेंस प्राधिकारी नियंत्रिक को मुनावी का अवसर देंगे। इस प्रकार किए गए विवरों के विद्युत अपाल नियंत्रित लाइसेंसिंग भवित्व को जा सकती है।

5(1) मानिटरिंग :- नियंत्रित द्वारा रिपोर्ट भेजना : नियंत्रिकों को पोन्तलदान क. तारंडा से 15 दिनों के भोतर या नियंत्रित लाइसेंस के समाप्त होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर शाई और पी ई प्री और संबंधित बोर्डरीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी को नियंत्रित के ब्यौरे के संबंध में एक रिपोर्ट भेजनी होगी। ऐसा करने में असकत रहने पर यह समझा जाएगा कि उनका नियंत्रित शून्य है और नियंत्रित नीति, 1990-93 के खंड-1 के पैरा 33 के अनुसार कार्रवाई को जाएगा।

(2) और्डर, और.पी. ई. प. द्वारा : सीलिंग रामात होत है, और. और. पी. ई. प. मुख्य नियंत्रक, प्रायात-नियंत्रित और वार्षिक मंत्रालय (ई. पी. प्री. -2) अनुमान को रिपोर्ट करेगा।

(3) ग्राइ. और. पी. ई. प. द्वारा एक नामिक विवरण जिसमें पूर्ण ब्यौरा जैसे नियंत्रित का नाम, अनुमति भला, जहाज पर्वत नियंत्रक मूल्य और गतव्य स्थान दिखाए गए हों, वार्षिक मंत्रालय का भेजा जाएगा और इसकी एक प्रति क्रम कायाचू में गांड.पी. नियंत्रित (धर्म गर्भाति) को भेजा जाएगी।

6. इस सार्वजनिक सूचना को खांकहित में जारी किया गया है।
सेवन अन्त, गुरुवा नियंत्रक, प्रायात-नियंत्रित

MINISTRY OF COMMERCE
(Export Trade Control)
PUBLIC NOTICE NO. 27-ETC(PN)/90

New Delhi, the 8th May 1990

Subject: Export of Safflower Seed (Kardi Seed).
File No. 38/10/90-E-II :--1. Reference: Serial Number 22, of List-2 of Part 'B' of Import and Export Policy 1990-93, (Vol. II).

2. Purpose: Export of Safflower Seed (Kardi Seed) is allowed within a limited ceiling as per the procedure laid down in paragraphs 31-33 of Section I of the said Book. The purpose of this Notification is to lay down the following special procedure for the export of Safflower Seed (Kardi Seed) as per the ceiling limits released for the current year, in terms of Para 13(3) of Section I of the said Policy Book.

3.(a) Special Programme: The ceiling for export of Safflower Seed (Kardi Seed) is placed at the disposal of Indian Oil & Produce Exporters Association, Bombay (IOPEA).

AGENCY FOR REGISTRATION OF CONTRACTS:

3(b) (i) The exporters are required to register their contracts backed by 100% Irrecoverable letters of Credit with IOPEA.

(ii) IOPEA will not allocate more than 10% of the total available ceiling to any individual exporters;

(iii) IOPEA may commence allocation of the ceiling after 15 days from the date of issue of this Public Notice.

(iv) On fulfilment of said conditions, IOPEA will issue ceiling slips to the exporters, on first-come, first served basis, indicating full particulars such as the name of the exporter, number and date of Export Order/contract and Irrevocable Letter of Credit, quantity allowed, f.o.b. value and the destination.

3.(c) Issue of Licences :—IOPEA shall send the ceiling advice to the concerned Port Licensing Authority, who on receipt of the same from IOPEA, shall issue export licence within 48 hours with validity of six months from the date of issue or 31st March of licensing year, whichever is earlier.

3(d) Last date for Registration: Neither registration of contracts will be made after 31st March of the licensing year nor any export will be allowed by IOPEA after 31st March, 1991, even if the quantity of the ceiling remain unutilised.

4. Penal Action: It should be the endeavour of the exporters to export the quantity of ceiling allotted to them, in full. However, if any exporter fails to export the full quantity allocated, then the licensing authorities will take action to debar him from receiving further export licences for the same commodity. Before taking such an action, the licensing authority will provide an opportunity to the exporter to be heard. Appeals against such departments can be made to the Export Licensing Committee.

MONITORING:

5(i) Furnishing of Report by Exporters: Exporters are required to furnish a report regarding details of exports to IOPEA and the concerned port licensing authority within 15 days from the date of shipment or within 15 days from the date of expiry of export licence. Failure to do so will be considered that their exports is nil and action will be taken in terms of Para 33 of Section I of Export Policy 1990-93.

(ii) By IOPEA: As soon as the ceiling is exhausted, IOPEA will report to the CCI&E and the Ministry of Commerce, EP(Agri. II) Section.

(iii) A monthly statement indicating the full details, such as name of the exporter, the quantity allowed, f.o.b. value and destination will be furnished by IOPEA to the Ministry of Commerce, EP (Agri.II) Section with a copy to the Director of Statistics (Shri Ram Murti) of this office.

6. This Public Notice is issued in the Public interest.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of
Imports & Exports